एक अच्छा दिन

एक
अच्छा दिन

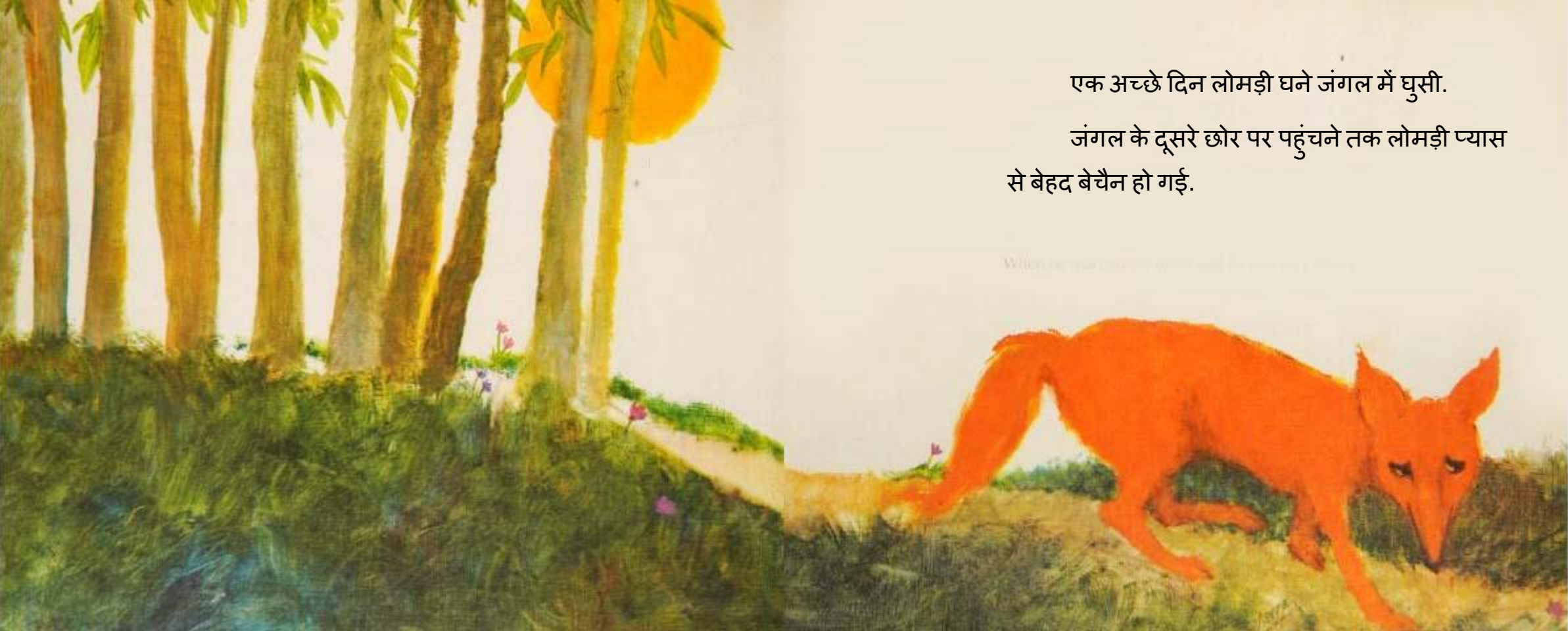

एक अच्छे दिन लोमड़ी घने जंगल में घुसी.

जंगल के दूसरे छोर पर पहुंचने तक लोमड़ी प्यास से बेहद बेचैन हो गई.

वहां उसने एक बूढ़ी औरत की दूध की बाल्टी रखी देखी.

बूढ़ी औरत आग के लिए लकड़ियां इकट्ठी करने गई थी.

इससे पहले कि बूढ़ी औरत वापिस आती लोमड़ी ने सारा दूध पी डाला.

बूढ़ी औरत इतनी गुस्सा हुई कि उसने लोमड़ी की पूंछ पकड़ी और उसे चाकू से काट डाला. फिर लोमड़ी रोने लगी.

“कृपया, बूढ़ी औरत, मुझे मेरी पूंछ वापस दो.
पूंछ के बिना, मेरे सभी दोस्त मुझ पर हंसेंगे.”

"पहले मुझे मेरा दूध वापस दो," बूढ़ी औरत ने कहा,
"फिर मैं तुम्हारी पूंछ वापस सिल दूंगी."

उसके बाद लोमड़ी ने अपने आँसू पोंछे और एक गाय को खोजने चली.

"प्रिय गाय," लोमड़ी ने भीख माँगी, "कृपया मुझे थोड़ा दूध दो ताकि मैं उसे बूढ़ी औरत को दे सकूं, ताकि वह मेरी पूंछ को दुबारा सिल दे."

गाय ने उत्तर दिया, "अगर तुम मेरे लिए कुछ घास लाओगी तो मैं तुम्हें कुछ दूध ज़रूर दूंगी."

लोमड़ी, खेत के पास गई और उसने कहा, "अरे सुंदर खेत, मुझे कुछ घास दो. मैं उसे गाय को दूँगी, फिर वो मुझे कुछ दूध देगी. तब मैं बूढ़ी औरत का दूध वापिस करूंगी, ताकि वो मेरी पूंछ सिल दे और मैं अपने दोस्तों के पास वापिस जा सकूं."

खेत ने कहा, "ठीक है, पर पहले तुम मेरे लिए थोड़ा पानी लाओ."

लोमड़ी भाग कर झरने के पास गई और उसने उससे कुछ पानी की भीख मांगी.
तब झरने ने जवाब दिया, "अच्छा, पहले तुम एक जग लाओ."

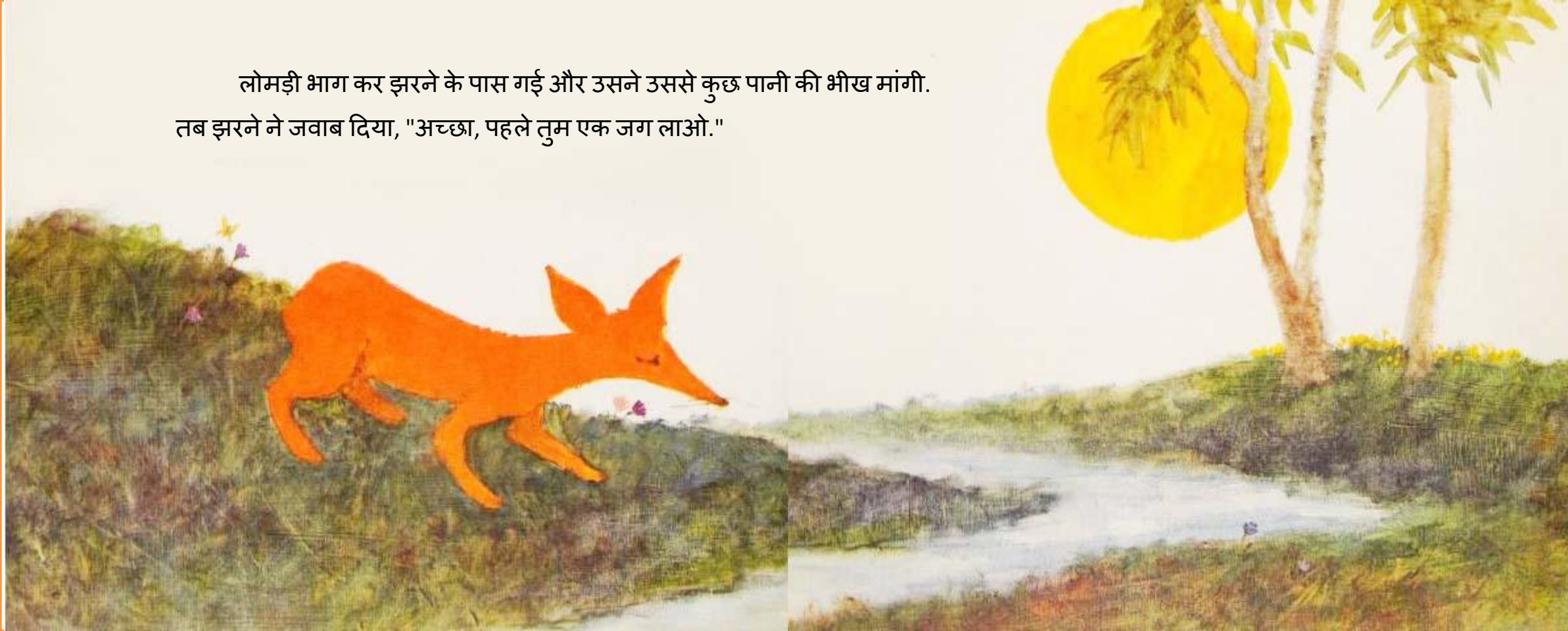

लोमड़ी को एक सुन्दर युवती मिली. "अच्छी युवती," लोमड़ी ने कहा, "कृपया मुझे अपना जग दो ताकि मैं खेत के लिए कुछ पानी ला सकूँ, खेत, मुझे गाय के खाने लिए कुछ घास देगा, गाय मुझे दूध देगी, फिर बूढ़ी औरत मेरी पूंछ सिलेगी ताकि मैं फिर से अपने दोस्तों के पास लौट सकूं."

युवती मुस्कुराई. "पहले तुम मेरे एक नीला मोती लाओ," उसने कहा. "फिर मैं तुम्हें अपना जग ज़रूर दूंगी."

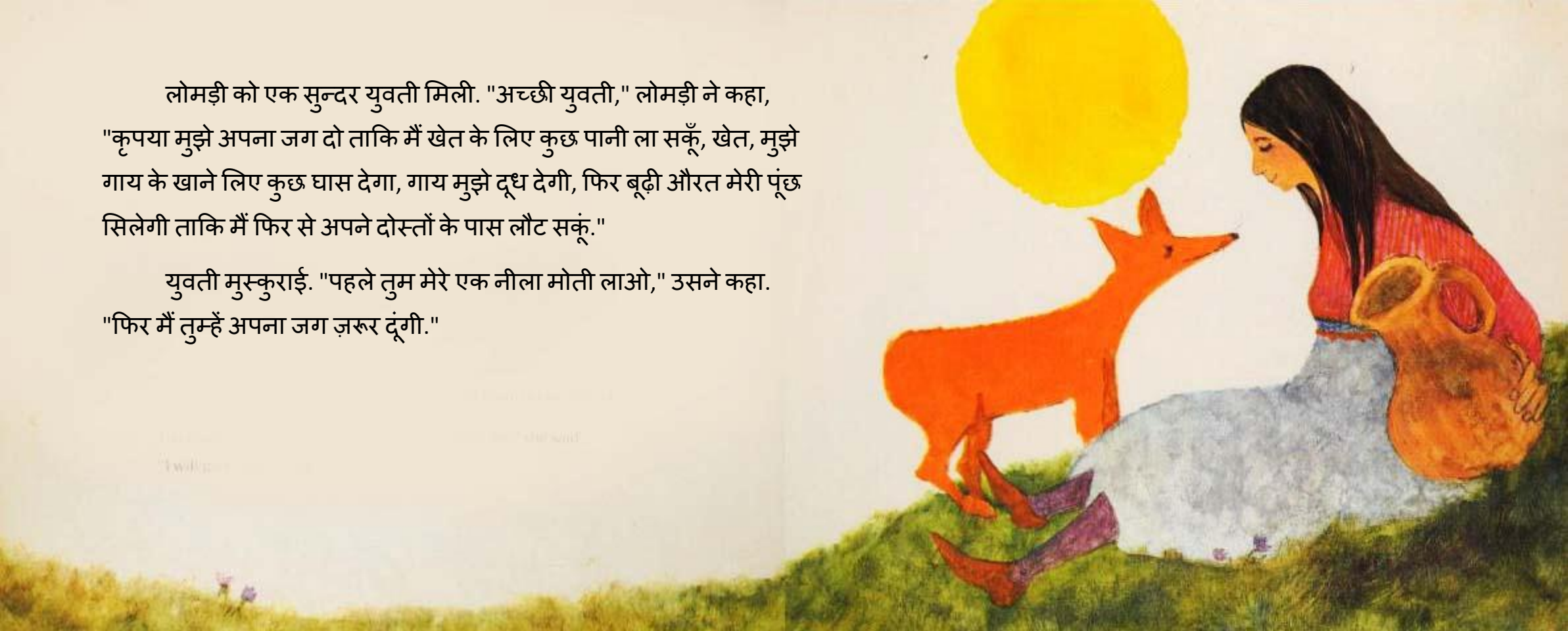

लोमड़ी दौड़ी-दौड़ी एक फेरीवाले के पास गई और उसने कहा. "सड़क के नीचे एक सुंदर युवती खड़ी है. अगर तुम मुझे उसके लिए एक नीला मोती दोगे तो वो तुमसे प्रसन्न होगी और मुझ से भी खुश होगी. फिर वो मुझे अपना जग देगी ताकि मैं खेत को कुछ पानी पिला सकूँ. फिर खेत मुझे गाय के लिए कुछ घास देगा, और गाय, बूढ़ी औरत के लिए कुछ दूध देगी, और फिर बूढ़ी औरत मेरी पूंछ को सही जगह पर सिल देगी."

लेकिन फेरीवाले पर लोमड़ी की चतुराई और मुस्कुराहट का कोई असर नहीं पड़ा और उसने जवाब दिया, "पहले तुम मुझे एक अंडा लाकर दो फिर मैं तुम्हें एक नीला मोती दूंगा."

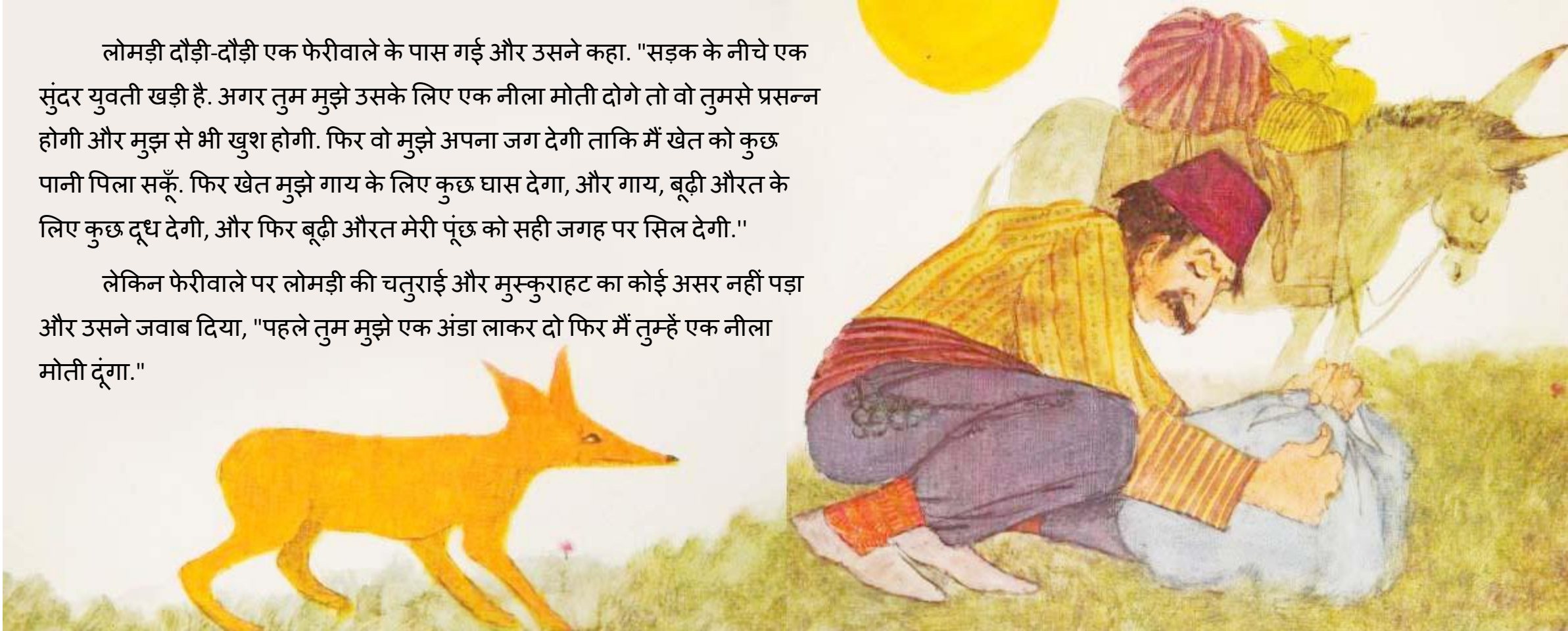

फिर लोमड़ी दौड़ी-दौड़ी एक मुर्गी के पास गई.

"मुर्गी, प्यारी मुर्गी, कृपया मुझे एक अंडा दो, फिर फेरीवाला मुझे नीला मोती देगा, फिर युवती मुझे अपना जग देगी, जिसमें मैं खेत के लिए पानी लेकर जाऊंगी, खेत गाय के खाने के लिए कुछ घास देगा, गाय मुझे दूध देगी, और फिर दूध के बदले में बूढ़ी औरत मेरी पूंछ वापिस सिल देगी."

मुर्गी ने कहा, "अगर तुम मेरे लिए अनाज के कुछ दाने लाओगी फिर मैं तुम्हें एक अंडा दूँगी."

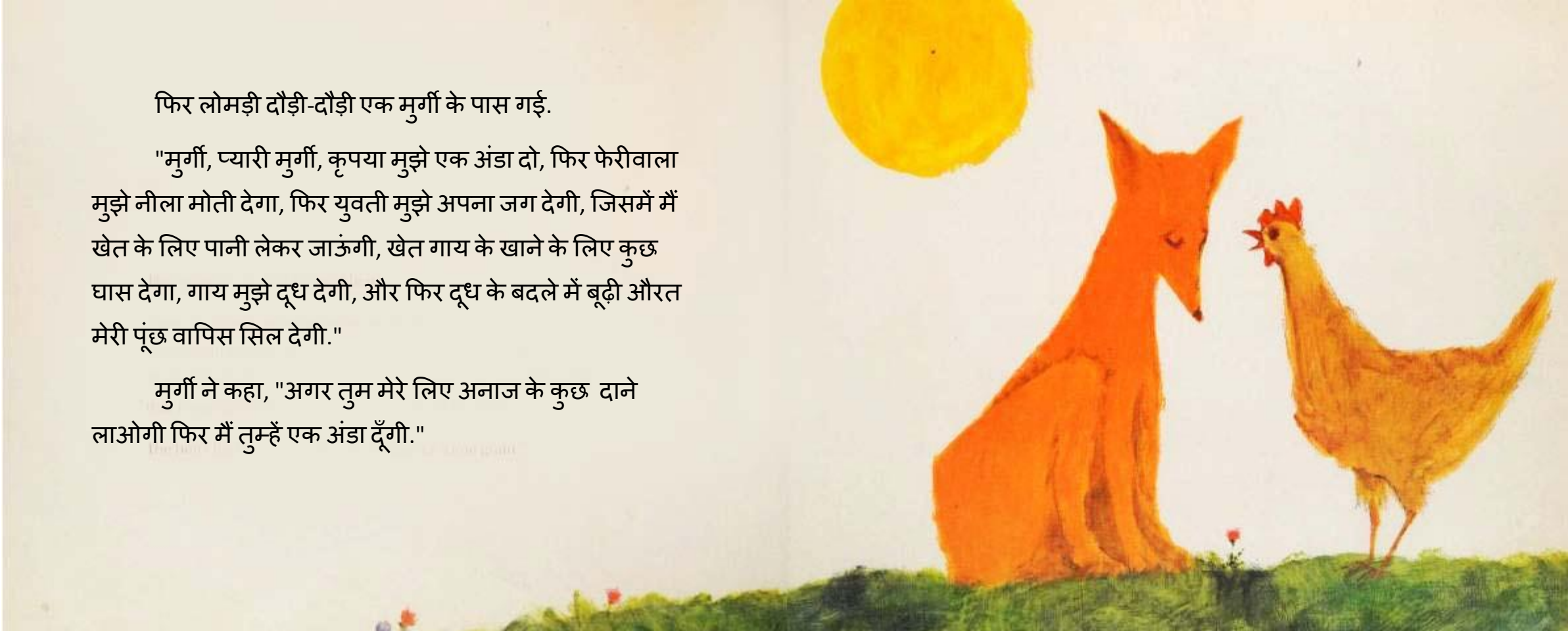

लोमड़ी अब हताश हो गई थी.
इसलिए चक्की वाले के पास पहुंचते ही वो रोने लगी.

"अरे दयालु चक्की वाले, कृपया मुझे थोड़ा सा अनाज दो. उसके बदले में मुझे अंडा मिलेगा. अंडा, फेरीवाले को देकर मुझे एक नीला मोती मिलेगा. उसके बदले में मुझे जग मिलेगा जिसमें मैं खेत के लिए पानी लेकर जाऊंगी, फिर खेत की घास गाय को दूँगी, गाय मुझे दूध देगी जो मैं बूढ़ी औरत को दूँगी.
फिर बूढ़ी औरत मेरी पूंछ सिलेगी नहीं तो मेरे सभी दोस्त
मुझ पर हंसेंगे."

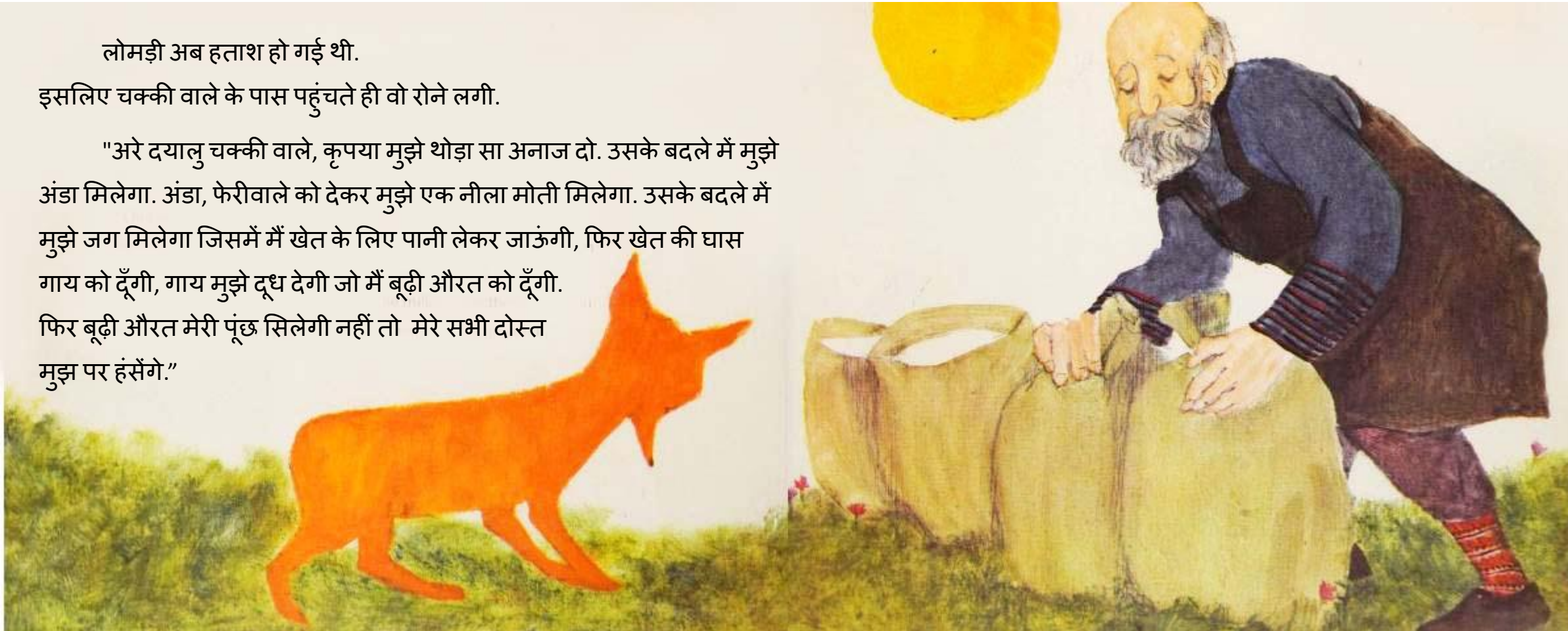

चक्की वाला एक भला और नेक आदमी था.
उसे लोमड़ी की हालत पर तरस आया. फिर चक्की वाले
ने लोमड़ी को मुर्गी के लिए कुछ अनाज के दाने दिए,
मुर्गी ने उसे एक अंडा दिया फिर फेरीवाले ने उसे एक
नीला मोती दिया,

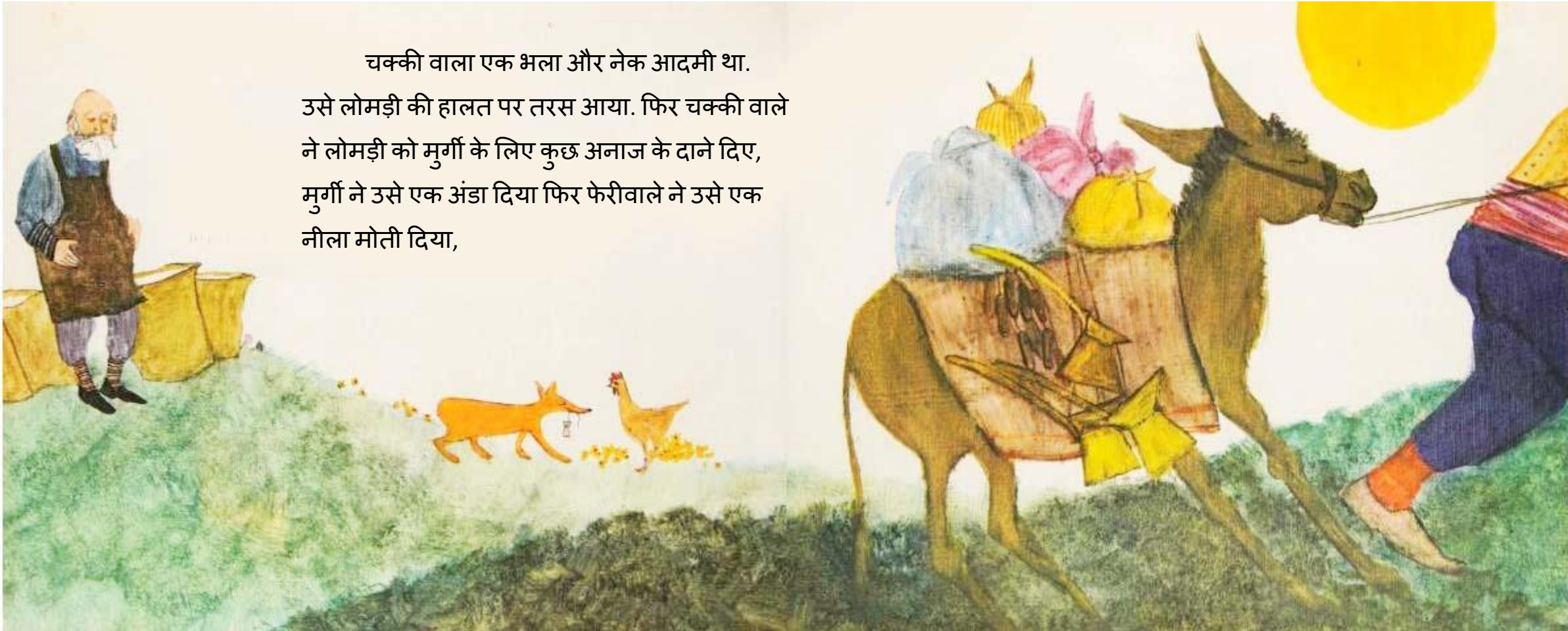

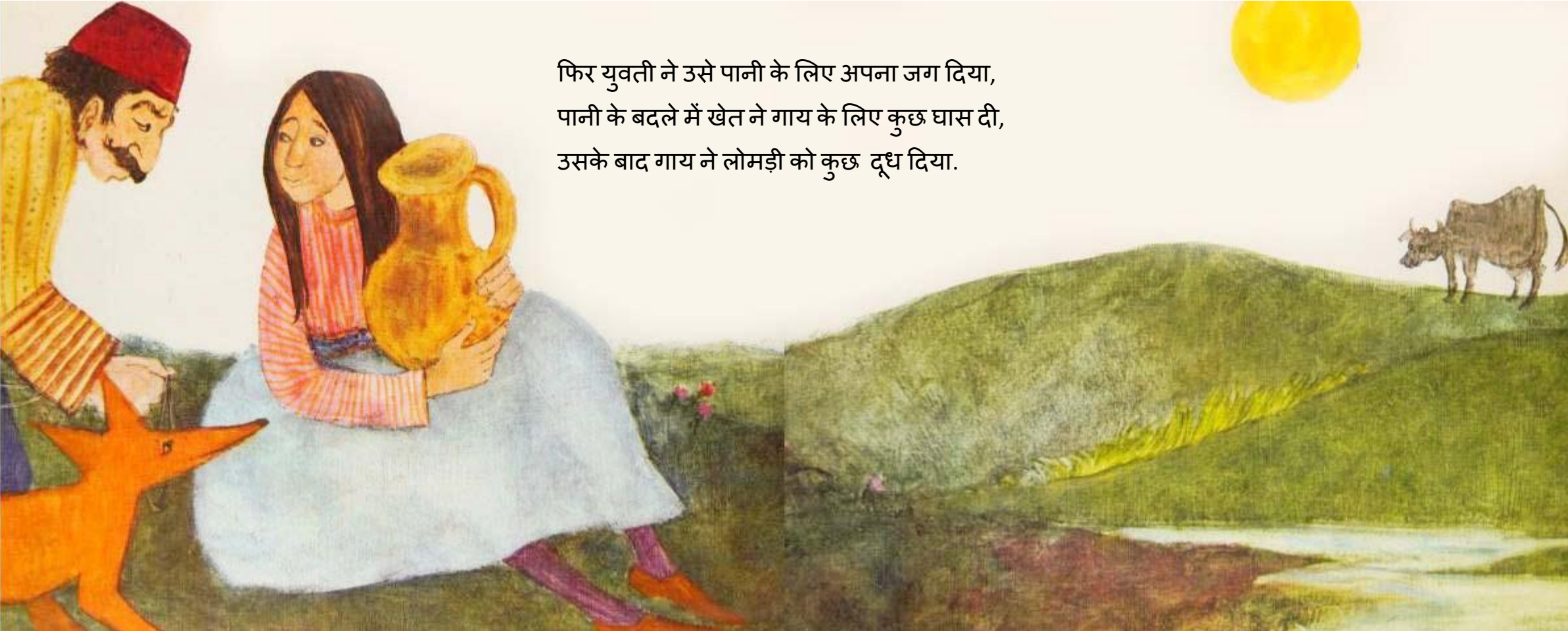

फिर युवती ने उसे पानी के लिए अपना जग दिया,
पानी के बदले में खेत ने गाय के लिए कुछ घास दी,
उसके बाद गाय ने लोमड़ी को कुछ दूध दिया.

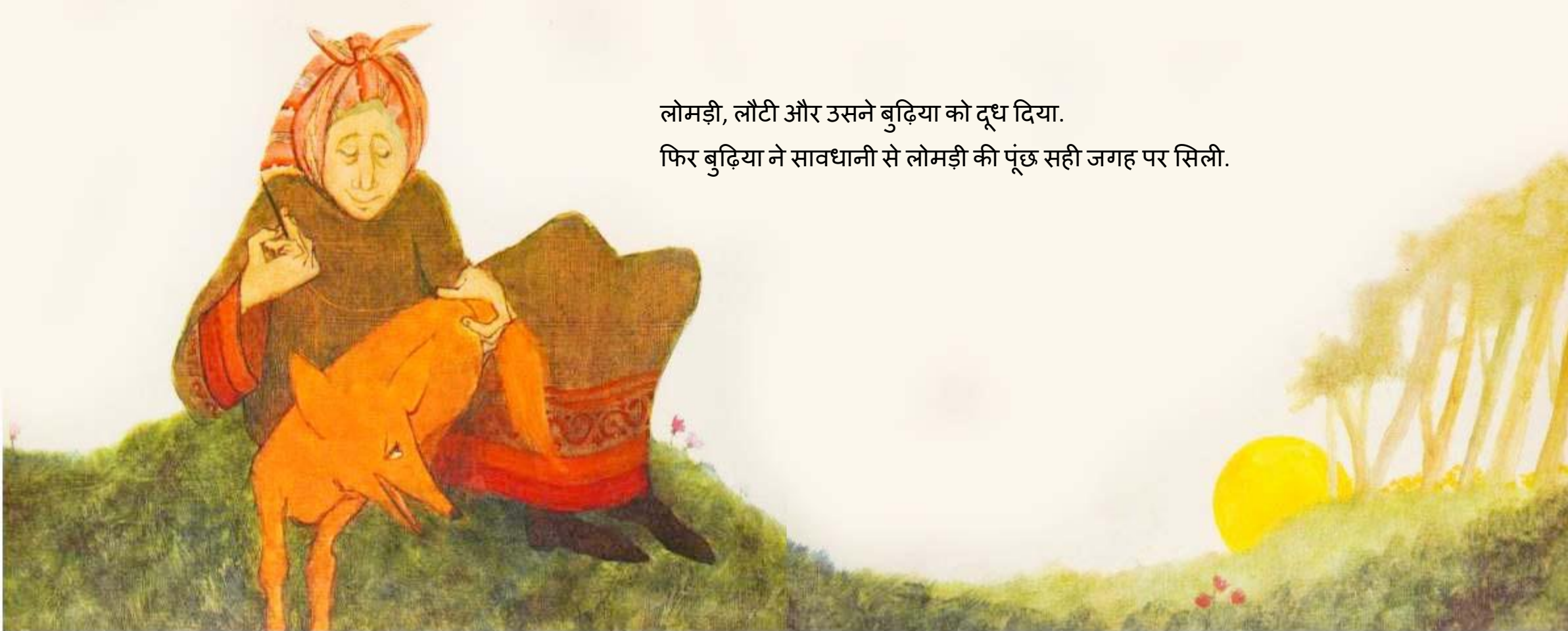

लोमड़ी, लौटी और उसने बुढ़िया को दूध दिया.
फिर बुढ़िया ने सावधानी से लोमड़ी की पूंछ सही जगह पर सिली.

उसके बाद लोमड़ी जंगल के दूसरी ओर
अपने दोस्तों से मिलने के लिए भागी.

समाप्त